GOVT.POSTGRADUATE COLLEGE
KHARGONE (M.P)
REPORT OF

PERSONALITY

DEVELOPMENT

PRINCIPAL,

Dr. R. S. DEVRA

PROGRAMME OFFICERES

DR. U.S.BAGHEL

2019-20

S.No	Activity	Date
1	व्यक्तित्व निर्माण में शिष्टाचार, सभ्यता, सौम्य व्यवहार	26/07/2019
2	सदभावना दिवस	20/08/2019
3	विद्यार्थी जीवन में लाईब्रेरी की आवश्यकता एवं महत्व	21/09/2019
4	गांधी दर्शन	10/10/2019
5	150 वी वर्षगाठ पर गुरूनानक जयंती”)	30/11/2019

Title of Activity: Personality Development

("व्यक्तित्व निर्माण में शिष्टाचार, सभ्यता, सौम्य व्यवहार")

- **Date: 26/07/2019**
- **Venue:** Govt. P. G. College khargone
- **Activity Experience:**

1. Number of students participated- 40
2. Number of teachers participated- 3

- **Chief Guests:**

1- Dr.U.S.Baghel
2- Pro.Tanmay Gole

व्यक्तित्व निर्माण में शिष्टाचार, सभ्यता और सौम्य व्यवहार अनिवार्य है विषय पर महाविद्यालय में विद्यार्थियों को डॉ.यू.बघेल द्वारा संबोधित किया गया इन्होने कहा की शिष्टाचार, सभ्यता और सौम्य व्यवहार से ही व्यक्तित्व निर्माण होता है, जब तक हम सौम्य एवं सभ्य नहीं बनेगे तब तक ज्ञान का प्रकाश हमारे जीवन में नहीं होगा, व्यक्तित्व निर्माण से ही जीवन में हम सफलता प्राप्त करते है। कठीन परिश्रम करने की प्रेरणा हमे उच्च गुणी सभ्य लोगो से मिलती है, हम सभ्यता और सौम्य व्यवहार से ही व्यक्तित्व निर्माण करते है ।

Title of Activity: Personality Development ("सदभावना दिवस")

- **Date: 20/08/2019**
- **Venue:** Govt. P. G. College khargone
- **Activity Experience:**
  1. Number of students participated- 145
  2. Number of teachers participated- 4
- **Chief Guests:**
  1. Dr.R.S.Devda
  2. Dr.U.S.Baghel

आज दिनांक 20.08.2019 को व्यक्तिव विकास प्रकोष्ठ के अन्तर्गत प्राचार्य डॉ. आर.एस.देवडा के द्वारा विद्यर्थियो को पूर्व प्रधानमंत्री श्री स्व.राजीव गांधी के जन्मदिवस को सद्भावना दिवस के रूप में मनाने के अवसर पर संबोधित किया गया उन्होने कहा की भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना श्री राजीव गाधी जी ने देखा था इनकी सरकार का एक मात्र मिशन दूसरो के लिए अच्छी भावना रखना तथा सभी धर्मो के बिच सामुदायिक समरसता, शांति, राष्टीय एकता आपसी प्यार और भाईचारा को बढावा देने के लिए प्रतिबध्द थे।

Title of Activity: Personality Development
("विद्यार्थी जीवन में लाईब्रेरी की आवश्यकता एवं महत्व")

- **Date: 21/09/2019**
- **Venue:** Govt. P. G. College khargone
- **Activity Experience:**
  1. Number of students participated- 146
  2. Number of teachers participated- 3
- **Chief Guests:**
  1- Dr. Yogendra Singh Chouhan
  2- Dr. U.S.Baghel

व्यक्तिव विकास प्रकोष्ठ के अन्तर्गत डॉ.योगेन्द्र सिह चौहान ने दिनांक 21.09.2019 को महाविद्यालय में विद्याथियों को ''विद्यार्थी जीवन में लाईब्रेरी की आवश्यकता एवं महत्व'' विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित किया उन्होने कहा की बगैर पुस्तको के जीवन को सरल बनाना संभाव नही है इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को दैनिक जीवन की समस्याओं से निजात पाने के लिए लाईब्रेरी में जाना अत्यंत आवश्यक है जब हम आर्थिक रूप से मजबूत हो जाए उस स्थिति में अपनी स्वयं की घर में लाईब्रेरी बनाना चाहिए एवं महत्वपूर्ण विषय की पुस्तके होना चाहिए जैसे समय प्रंबधन सकारात्मक द्ष्टिकोण का विकास तथा प्रबंधन तथा महान व्यक्तियो की जीवनिया आदि।

Title of Activity: Personality Development ("गांधी दर्शन")

- **Date: 10/10/2019**
- **Venue:** Govt. P. G. College khargone
- **Activity Experience:**

1. Number of students participated- 250
2. Number of teachers participated- 4

- **Chief Guests:**

1- Dr. Mahesh Kumar Gupta
2- Dr. U.S.Baghel

व्यक्तिव विकास प्रकोष्ठ के अन्तर्गत डॉ.महेश कुमार गुप्ता ने दिनांक 21.09.2019 को महाविद्यालय में विद्यार्थियों को गॉधी दर्शन विषय पर संबोधित किया उन्होने कहा की गॉधी मात्र एक व्यक्ति नही बल्कि एक विचार है जो देश ही नही पूरे विश्व में फैला है, यदि देश में शांति, अहिंसा को स्थापित करना हो तो गांधी दर्शन के सिध्दांतो को अपनाना होगा वर्तमान तकनिकी युग में मनुष्य में अवसाद, तनाव, हिंसा, वैमनस्य बड रहा हैं। इन सारी समस्याओं से निजात पाने के लिए हमे गांधी जी के विचारो पर चलना होगा। गांधी जी के सिध्दांत के कारण ही भारत पूरे विश्व को अपनी ओर आकर्षित करता हैं।

Title of Activity: Personality Development ("150 वी वर्षगाठ पर गुरूनानक जयंती")

- **Date: 30/11/2019**
- **Venue:** Govt. P. G. College khargone
- **Activity Experience:**

1. Number of students participated- 125
2. Number of teachers participated- 4

- **Chief Guests:**

1- Dr. Manjeet Kour Arora
2- Dr. U.S.Baghel

आज दिनांक 30-11-2019 को महाविद्यालय में व्यक्तिव विकास प्रकोष्ठ के अन्तर्गत डॉ. मंजीतकौर अरोरा के द्वारा १५०वी वर्ष्गाठ पर गुरूनानक जयंती के उपलक्ष्य मे विद्यार्थीयो को गुरूनानक जी के जीवन से संबधित जानकारी प्रदान की उन्होने कहा इनके पिता का नाम मेहता कालूचंद खत्री तथा माता का नाम तृप्ता देवी था। तलवंडी का नाम आगे चलकर नानक के नाम पर ननकाना पड़ गया। इनकी बहन का नाम नानकी था।नानक सर्वेश्वरवादी थे। मूर्तिपूजा: उन्होंने सनातन मत की मूर्तिपूजा की शैली के विपरीत एक परमात्मा की उपासना का एक अलग मार्ग मानवता को दिया। उन्होंने हिंदू धर्म मे फैली कुरीतिओं का सदैव विरोध किया । साथ ही उन्होंने तत्कालीन राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक स्थितियों पर भी नज़र डाली है। संत साहित्य में नानक उन संतों की श्रेणी में हैं जिन्होंने नारी को बड़प्पन दिया है।इनके उपदेश का सार यही होता था कि ईश्वर एक है और उनकी उपासना सभी के लिये हैं। मूर्तिपुजा, बहुदेवोपासना को ये अनावश्यक कहते थे। हिंदु और मुसलमान दोनों पर इनके मत का प्रभाव पड़ता था।